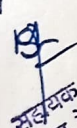


Order Sheet (Subsequent)

CNR NUMBER 2024/45

Number of Case 1/18 Year 2024

सुभाष Versus चरसिंह


Date	Order with initials of Presiding Officer	Brief note of compliance of the Order
	<p>पर ०४ पर अवसर दिने जाने के आवकपूर पत्राव प्राचीन-पत्र पेश नही करने के इनका पत्राव प्री-पत्र के दिना जाता है। अप्रचीन ३०५ का पत्राव प्री-पत्र पूर्व में प्रस्तुत है। अप्रचीन ५ प्रोफेसरी पत्राव है जिसे पत्राव की आवश्यकता नही रहती है अतः इनका पत्राव के दिना जाता है। पत्रावली काहे कहते प्रोफेसरी-पत्र अन्तर्गत कां. २१२ R 7A, 1955 के प्रावधान दिनांक ०३/०५/२५ को पेश है।</p> <p style="text-align: center;">  सहायक कलेक्टर (कानून) जोधपुर </p> <p>०३/०५/२५ पत्रावली पेश हुई १० वीन प्राचीन (अप्रचीन) वहीन अप्रचीन १०२ अनुपालन १० वीन अप्रचीन १०२ को का-का रतक रतक कर आवक दिनांक ०३/०५/२५ अनुपालन रहे अतः कहते वहीन प्राचीन सुनी १०२ वहीन प्राचीन द्वारा यह निवेदन दिना १५ दि दिनांक २२/०५/२५ को जारी अर्थात् अन्तर्गत निवेदन नार्थकता प्रत्येक वरिष्ठ पुस्तक दिने जाने का निवेदन दिना १५।</p>	

Order Sheet (Subsequent)

CNR NUMBER 2024/40

Number of Case A/18 Year 2024
 सुभान Versus नरसिंह

Date	Order with initials of Presiding Officer	Brief note of content of the Order
	<p>वकील अप्रार्थी सं. 142 द्वारा न तो जवाब प्री-पत्र प्रस्तुत किया गया व न ही आज दौरान बहल उपस्थित आपने। अतः अप्रार्थी सं. 142 द्वारा प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र का खण्डन नहीं किया गया है। अप्रार्थी सं. 3 व 4 द्वारा अपने जवाब प्री-पत्र में प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया गया है। उपरोक्त विवेचन से यह स्पष्ट है कि प्रार्थीगण के प्रार्थना-पत्र का अप्रार्थीगण द्वारा खण्डन नहीं किया गया है। अतः आदेशिका दिनांक 27/05/24 को जारी अंतरिम अर्द्धाई विशेषज्ञा तापैसला मूल वाद पुराना की जाती है। फावली फैसला शुमार होकर नम्बर ले कर होकर शामिल उपरत हो।</p>	


 सहायक क्लर्क
 (फास्ट ट्रेक) जयपुर

